web: www.nyaysakshi.com ‖ पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल ‖ पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, सोमवार 31 मई 2021 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-03, अंक- 240

महत्वपूर्ण एवं खास

हरियाणा में लॉकडाउन 7 जून तक बढ़ा, दुकानें ऑड-ईवन के आधार पर खुलेंगी

नई दिल्ली (आरएनएस)। हरियाणा सरकार ने कोरोना लॉकडाउन को 7 जून तक बढ़ाने का फैसला किया है। दुकानें अब सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक चल सकती हैं लेकिन दुकानदारों को ऑड-ईवन फॉर्मूला का पालन करना होगा। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि शैक्षणिक संस्थान 15 जून तक बंद रहेंगे और रात 10 बजे से सुबह 5 बजे तक कर्फ्यू जारी रहेगा।

धर्मेंद्र प्रधान ने विशाखापत्तनम में राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड के जंबो कोविड-केयर सेंटर का उद्घाटन किया

नई दिल्ली (आरएनएस)। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस तथा इस्पात मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आज राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड, विशाखापत्तनम स्टील प्लांट टाउनशिप में ऑक्सीजन युक्त 300 बिस्तरों की सुविधा के साथ जंबो कोविड-केयर सेंटर के पहले चरण को राष्ट्र की सेवा में समर्पित किया। इस वर्चुअल उद्घाटन समारोह में इस्पात राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते, आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ए. काली कृष्ण निवास, आंध्र प्रदेश के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री एम. गौतम रेड्डी, आंध्र प्रदेश के पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास, खान तथा भूविज्ञान मंत्री पी. रामचंद्र रेड्डी, संसद सदस्य और विधायक, इस्पात मंत्रालय के सचिव, भारत सरकार और आंध्र प्रदेश सरकार तथा राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड के अधिकारी भी उपस्थित थे। राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड में कोविड केयर सेंटर के उद्घाटन को सहकारी संघवाद का एक आदर्श उदाहरण बताते हुए प्रधान ने कहा कि, लोकतंत्र में सरकार लोगों के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए जिम्मेदार होती है। उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री के जहां बीमार, वहीं उपचार के दृष्टिकोण के त्वरित कार्यान्वयन में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम की मदद करने में राज्य सरकार तथा जिला प्रशासन के सहयोग एवं समर्थन की भरपूर सराहना की। इस्पात मंत्री ने कहा कि, प्रधानमंत्री के आह्वान के बाद, हमने इस्पात कंपनियों को स्टील प्लांट के पास ही ऑक्सीजन की आपूर्ति के साथ जंबो कोविड केयर सेंटर बनाने के लिए तैयार किया है।

जमीन में दफन मिले 215 बच्चों के शव, रडार से पता चली देश के सबसे बड़े बोर्डिंग स्कूल की हॉरर सच्चाई

कैमलूप्स। कनाडा के एक स्कूल परिसर में 215 बच्चों के शव दफन पाए गए हैं। इनमें से कुछ तीन साल के बच्चों के भी शव हैं। इस स्कूल को कनाडा का सबसे बड़ा रेसिडेंशियल यानी बोर्डिंग स्कूल माना जाता था, जहां देशभर के बच्चे पढ़ने आते थे। जिस स्कूल परिसर में ये शव मिले हैं, उसका नाम केमलूप्स इंडियन रेसिडेंशियल स्कूल है। पिछले हफ्ते ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार की मदद से जमीन के नीचे शवों के दफन होने की जानकारी मिली थी। उन्होंने आशंका जताई है कि अभी और शव बरामद हो सकते हैं क्योंकि अभी छानबीन जारी है। वो कहती हैं कि ये एक ऐसा नुकसान है जिसके बारे में कभी सोच भी नहीं सकते। इस नुकसान के बारे में बोल तो सकते हैं लेकिन इसे कभी इतिहास में दर्ज नहीं किया जा सकता। रोजैन बताती हैं कि 19वीं सदी की शुरुआत से लेकर 1970 तक क्रिश्चियन स्कूलों में देशभर से 1.50 लाख से ज्यादा बच्चों को लाया गया था। उनके ऊपर क्रिश्चियन में कन्वर्ट करने का दबाव डाला जाता था और उन्हें अपनी मातृभाषा तक बोलने नहीं दी जाती थी। कइयों को पीटा गया और ऐसा कहा जाता है कि इस दौरान करीब 6 हजार बच्चे मारे गए थे। इसको लेकर 2008 में कनाडा की सरकार ने संसद में माफी भी मांगी थी और माना था कि उस वक्त क्रिश्चियन स्कूलों में बच्चों के साथ शारीरिक और यौन शोषण भी होता था। 5 साल पहले ट्रूथ एंड रिकॉन्सिलिएशन कमिशन की एक रिपोर्ट आई थी। इस रिपोर्ट में कहा गया था कि दुर्व्यवहार और लापरवाही के कारण कम से कम 3,200 बच्चों की मौत हुई थी। जबकि, 1915 से 1963 के बीच कैमलूप्स स्कूल में 51 बच्चों की मारे जाने की रिपोर्ट दर्ज की गई थी। कैमलूप्स स्कूल 1890 से 1969 तक चलाया गया। इसके बाद सरकार ने कैथोलिक चर्च से इसका नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया।

ब्रिक्स कार्यकारी समूह की बैठक में एचपीसी और आईसीटी पर की गई चर्चा

नई दिल्ली (आरएनएस)। बीआरआईसीएस-ब्रिक्स कार्यकारी समूह की हाल में ही संपन्न बैठक में उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एचपीसी) और इसके मौसम-जलवायु-पर्यावरण अनुप्रयोगों, दवा निर्माण, कृत्रिम बुद्धिमता, एवं एचपीसी आधारित सटीक दवा और जन स्वास्थ्य, विशेषकर महामारी से लड़ने में भू-सूचना विज्ञान जैसे क्षेत्रों में अनुसन्धान और दीर्घकालिक विकास के लिए सुपर कंप्यूटर के प्रयोग हेतु भविष्य में सहयोग पर चर्चा हुईढ्ढ

विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार ट्रैक के तहत, उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एचपीसी) और सूचना संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) पर ब्रिक्स कार्यकारी समूह की यह पांचवीं बैठक थी जो 27-28 मई 2021 को दक्षिण अफ्रीका द्वारा ऑनलाइन मोड में आयोजित की गई थी।

इस बैठक में सभी पांच ब्रिक्स देशों ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका ने भाग लिया। बैठक में इन देशों के शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और सरकारी अधिकारियों सहित 50 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

विज्ञानं और प्रौद्योगिकी विभाग में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रकोष्ठ के प्रमुख और सलाहकार, संजीव कुमार वार्ष्णेय ने इस बैठक में भारतीय पक्ष का नेतृत्व किया। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमता, विशाल आंकड़े (बिग डाटा), मशीन से शिक्षा, जैसे नए विषयों के उभार और चिकित्सा विज्ञानं, कृषि, पृथ्वी विज्ञानं, मॉडलिंग और सिमुलेशन जैसे क्षेत्रों में इसके संभावित प्रयोग को देखते हुए इन सभी की आवश्यकता बताई। उन्होंने ब्रिक्स बहुपक्षीय परियोजनाओं का समर्थन करने के लिए वित्त पोषण सहित संसाधनों के सह-निवेश के लिए भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। हर देश ने ब्रिक्स सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए एचपीसी अवसंरचना नेटवर्क और रुचि के क्षेत्रों के निर्माण में अपने देश में हुई प्रगति को साझा किया।

भारतीय पक्ष की ओर से सी-डैक के वरिष्ठ निदेशक डॉ. संजय वांधकर ने राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन के तहत सुपर कंप्यूटरों के स्वदेशी विकास की भारत की पहल और बाढ़ की पहले से चेतावनी के लिए एक उपयोगकर्ता के अनुकूल और व्यापक प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली विकसित और तैनात करने के लिए दवा डिजाइन में उनके अनुप्रयोगों का प्रस्तुतीकरण किया।

भारत स्वास्थ्य, कृषि और शिक्षा के क्षेत्रों में गहन प्रौद्योगिकी में ब्रिक्स स्टार्टअप्स के बीच सहयोग पर अवधारणा नोट साझा करेगा। चीन ने एआई+एचपीसी+5 जी-आधारित डिजिटल ट्विन प्लेटफॉर्म और स्मार्ट विनिर्माण, सटीक खेती, और सटीक दवा के लिए एक मुक्त-स्रोत-व्यवस्था (ओपन-सोर्स इकोसिस्टम) का प्रस्ताव रखा। ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका ने डिजिटल पृथ्वी पर प्रमुख परियोजना का प्रस्ताव रखा।

कार्यकारी समूह (वर्किंग ग्रुप) की जिन सिफारिशों पर सभी ब्रिक्स देशों ने सर्वसम्मति से सहमति व्यक्त की है, उन्हें अगले ब्रिक्स प्रस्तावों के लिए आह्वान हेतु बैठक (ब्रिक्स कॉल फॉर प्रपोजल) में शामिल किया जा सकता है। ब्रिक्स आह्वान (कॉल) सचिवालय के प्रतिनिधि ने संकेत दिया है कि 2021 की दूसरी छमाही में अगली बैठक की घोषणा की जा सकती है।

बीआरआईसीएस (ब्रिक्स) उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एचपीसी) और सूचना संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) कार्यकारी समूह अपने सदस्य देशों के शोधकर्ताओं के लिए परस्पर हित के क्षेत्रों पर चर्चा और विचार-विमर्श करने के लिए एक मंच प्रदान करता है ताकि साझेदारी बनाने और सामाजिक चुनौतियों जैसे कि सस्ती स्वास्थ्य देखभाल, टिकाऊ कृषि, विषम मौसम, मौसम और जलवायु मॉडलिंग आदि की घटनाओं पर गहन प्रौद्योगिकी-आधारित समाधान विकसित किया जा सके।

एनआईए ने दायर किया आईएसआईएस सदस्य के खिलाफ आरोप पत्र

नई दिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने इस्लामिक स्टेट ऑफ सीरिया एंड इराक (आईएसआईएस) के एक सदस्य के खिलाफ चेन्नई एनआईए की विशेष अदालत में 28 मई को आरोप पत्र दाखिल किया है। एनआईए ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि आरोपी मोहम्मद इकबाल एन उर्फ सेंथिल कुमार (31) तमिलनाडु के मदुरै में काजीमार स्ट्रीट का निवासी है। वह कट्टरपंथी संगठन हिज्ब-उत-तहरीर का सदस्य था और उस पर कानून की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप पत्र दायर किया गया है। आरोपी मोहम्मद इकबाल द्वारा फेसबुक पर आपत्तिजनक पोस्ट अपलोड करने के संबंध में मूल रूप से मदुरै के थिडीरनगर थाने में मामला दर्ज किया गया था। एनआईए ने इस साल 15 अप्रैल को फिर से मामला दर्ज किया और जांच शुरू की। एजेंसी की जांच से पता चला है कि इकबाल ने विभिन्न धार्मिक समूहों के बीच सांप्रदायिक विद्वेष भड़काने के मकसद से फेसबुक पेज 'थोंगा विझीगल रेंडु इज इन काजीमार स्ट्रीट' पर आपत्तिजनक पोस्ट अपलोड किया गया था। आरोपी ने कई देशों में प्रतिबंधित संगठन हिज्ब-उत-तहरीर के नाम पर अन्य संदिग्धों के साथ साजिश रची थी और भारत सहित विश्व स्तर पर गैर-इस्लामी सरकारों को उखाड़ फेंक कर शरिया लागू करने तथा इस्लामिक स्टेट खिलाफत स्थापित करने संबंधी उपदेश देता था।

भारत के दैनिक नए मामले घटकर 1.65 लाख के स्तर पर आए, लगातार बना हुआ है गिरावट का रुझान

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत में सक्रिय मामलों की संख्या में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। सक्रिय मामलों में एक फिर बार कमी आई, इस क्रम में आज सक्रिय मामले 21,14,508 दर्ज किए गए। इस प्रकार पिछले 24 घंटों में सक्रिय मामलों में 1,14,,216 की कुल गिरावट देखने को मिली और देश के कुल पॉजिटिव मामलों की तुलना में सिर्फ 7.58 प्रतिशत सक्रिय मामले हैं। दैनिक नए मामलों में लगातार गिरावट के तहत, देश में

लगातार तीन दिन 2 लाख से कम दैनिक नए मामले दर्ज किए गए हैं। पिछले 24 घंटों में दैनिक 1,65,553 नए मामले दर्ज किए गए। लगातार 17वें दिन भारत का दैनिक सुधार का आंकड़ा, दैनिक नए मामलों की तुलना में ज्यादा रहा। पिछले 24 घंटों में 2,76,309 लोग ठीक हो गए।

पिछले 24 घंटों के दौरान, दैनिक नए मामलों की तुलना में 1,10,756 ज्यादा लोग ठीक हुए। महामारी की शुरुआत के बाद कुल संक्रमित लोगों में 2,54,54,320 लोग कोविड-19 से ठीक हो चुके हैं और पिछले 24 घंटों में 2,76,309 लोग ठीक हुए। यह कुल 91.25 प्रतिशत सुधार दर के बराबर है। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कुल 20,63,839 परीक्षण किए गए और भारत में अभी तक कुल 34.31 करोड़ परीक्षण किए जा चुके हैं। भले ही देश भर में परीक्षण बढ़ गए हैं, लेकिन मामलों की साप्ताहिक पॉजिटिविटी दर में गिरावट जारी है। साप्ताहिक पॉजिटिविटी दर वर्तमान में 9.36 प्रतिशत के स्तर पर है, वहीं दैनिक पॉजिटिविटी दर में कमी आई है और यह आज 8.02 प्रतिशत रही। यह लगातार छठे दिन 10 प्रतिशत से कम बनी हुई है।

सात साल में सुलझाए 70 साल के मुद्दे

- मन की बात में सरकार की उपलब्धियां गिना कर पीएम ने विपक्ष पर किया वार
- कहा साजिश करने वालों को अब मुंहतोड़ जवाब देता है भारत
- कोराना के फ्रंट लाइन वर्करों से किया संवाद

नई दिल्ली (आरएनएस)। आकाशवाणी पर मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी सरकार की सात साल की उपलब्धियां गिनाई और सात साल बनाम सत्तर साल के जरिए विपक्ष पर निशाना साधा। सरकार की कई उपलब्धियों का जिक्र करते हुए पीएम ने कहा इन सात सालों के दौरान हमने सात दशक से जारी समस्याओं को सुलझाया। उन्होंने कहा कि अब भारत साजिश करने वालों को मुंहतोड़ जवाब दे रहा है। उन्होंने हौसले और सहयोग के संकल्प के मंत्र से कोरोना महामारी की दूसरी लहर पर भी विजय पाने का विश्वास व्यक्त किया।

पीएम ने कहा कि इस कार्यक्रम में उनका संबोधन ऐसे समय में हो रहा है, जब हमारी सरकार ने सात साल पूरे किए हैं। इन सात सालों में देश हर क्षेत्र में आगे बढ़ा है। कश्मीर देश के विकास के साथ आगे बढ़ रहा है तो पूर्वोत्तर में स्थाई शांति है। देश के रूप में काम और सबका साथ सबका विकास मंत्र के सहारे हमने इन सात सालों में सत्तर साल से जारी समस्याओं को खत्म किया है।

❐ **दबाव से नहीं संकल्प से चल रहा है देश-** पीएम ने कहा कि बीते साल सालों में पूरे देश ने कई बार एक साथ राष्ट्रीय गौरव का अनुभव किया है। अब हम राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर समझौता नहीं करते। भारत दूसरे देशों की सोच और उनके दबाव में नहीं, अपने संकल्प से चलता है। हमें तब गर्व की अनुभूति होती है जब हम देखते हैं कि भारत अपने खिलाफ साजिश करने वालों को मुंहतोड़ जवाब देता है तो हमारा आत्मविश्वास और बढ़ता है।

❐ **सात सालों में करोड़ों खुशियों में हुआ शामिल-** पीएम ने बीते सात साल में लोगों के जीवन स्तर में बदलाव लाने संबंधी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इस दौरान उन्हें करोड़ों खुशियों में शामिल होने का सौभाग्य मिला है। इस दौरान देश में आए आमूलचूल परिवर्तन को दुनिया ने देखा है। कई गांवों में 70 साल बाद बिजली पहुंची है। उन गांवों में बच्चे उजाले और पंखे में बैठ कर पढ़ रहे हैं। इतने ही अंतराल के बाद कई गांव पक्की सडक़ के जरिए शहर से जुड़े हैं। करोड़ों लोग बैंक खाता खुलने की खुशी साझा करते हैं। अलग-अलग योजनाओं के जरिए रोजगार शुरू करने वाले, योजनाओं के तहत अपना घर हासिल करने वालों की करोड़ों खुशियों में मैं शामिल हुआ हूं।

❐ **हर परीक्षा में मजबूत हो कर निकले-** पीएम ने इस दौरान कोरोना महामारी की दूसरी लहर का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इस महामारी ने हमसे कई अपनों को छीन लिया। सात सालों में हमने कई कठिन परीक्षाएं दी और हर बार और मजबूत हो कर निकले।

भारत ने डोमिनिका से मांगा चोकसी, भगोड़े कारोबारी को वापस लाने पहुंचा भारतीय जेट

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत सरकार ने भगोड़े कारोबारी मेहुल चोकसी को वापस लाने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। इसके लिए कई एजेंसियां डोमिनिका सरकार के संपर्क में हैं, जिनका कहना है कि चोकसी मूल रूप से एक भारतीय नागरिक है। उसने लगभग दो अरब यूएस डॉलर की धोखाधड़ी करने के बाद भारत में कानून से बचने के लिए नई नागरिकता ली थी। जानकारी के अनुसार भारत ने बैक-चैनल और राजनयिक मार्ग के माध्यम से डोमिनिका से स्पष्ट रूप से कहा है कि मेहुल चोकसी को एक भगोड़े भारतीय नागरिक के रूप में माना जाना चाहिए, जिसके खिलाफ इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस है। भारत ने उसे भारतीय अधिकारियों को सौंपने की बात कही है। चोकसी के द्वारा अभी तक अपनी भारतीय नागरिकता से इनकार करने का कोई मामला नहीं सामने आया है। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले का आरोपी और भगोड़ा कारोबारी मेहुल चोकसी को वापस लाने के लिए भारतीय जेट डोमिनिका में पहुंच गया है। बुधवार को मेहुल चोकसी क्यूबा भागते वक्त रास्ते में ही डोमिनिका में पकड़ा गया। मेहुल चोकसी के पास एंटीगुआ की नागरिकता है। इसके बाद मेहुल की करतूतों से परेशान होकर एंटीगुआ की सरकार ने डोमिनिका से उसे सीधे भारत को सौंपने का अनुरोध किया है।

ऑक्सीजन एक्सप्रेस ने देश में 21392 एमटी से अधिक तरल मेडिकल ऑक्सीजन की डिलीवरी की

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय रेल सभी बाधाओं को पार करते हुए तथा नए समाधान निकाल कर देश के विभिन्न राज्यों में तरल मेडिकल ऑक्सीजन (एलएमओ) पहुंचाना जारी रखे हुए है। भारतीय रेल द्वारा अभी तक देश के विभिन्न राज्यों में 1274 से अधिक टैंकरों में 21392 मीट्रिक टन तरल मेडिकल ऑक्सीजन (एलएमओ) पहुंचाई गई है।

ज्ञात हो कि 313 ऑक्सीजन एक्सप्रेस गाड़ियों ने अपनी यात्रा पूरी कर विभिन्न राज्यों को सहायता पहुंचाई है।

इस विज्ञप्ति के जारी होने तक 5 ऑक्सीजन एक्सप्रेस गाड़ियां 23 टैंकरों में 406 एमटी से अधिक एलएमओ लेकर जा रही हैं। हरियाणा

और कर्नाटक प्रत्येक में एलएमओ की डिलीवरी 2000 मीट्रिक टन को पार कर गई। तमिलनाडु और तेलंगाना प्रत्येक में एलएमओ की डिलीवरी 1800 एमटी को पार गई। ऑक्सीजन एक्सप्रेस ने 36 दिन पहले 24 अप्रैल को महाराष्ट्र में 126 एमटी तरल मेडिकल ऑक्सीजन डिलीवर करने के साथ अपना कार्य प्रारंभ किया था। भारतीय रेलवे का यह प्रयास रहा है कि ऑक्सीजन का अनुरोध करने वाले राज्यों को कम से कम संभव समय में अधिक से अधिक संभव ऑक्सीजन पहुंचाई जा सके। ऑक्सीजन एक्सप्रेस द्वारा 15 राज्यों- उत्तराखंड, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, हरियाणा, तेलंगाना, पंजाब, केरल, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, झारखंड और असम को ऑक्सीजन सहायता पहुंचाई गई है।

इस विज्ञप्ति के जारी होने तक महाराष्ट्र में 614 एमटी ऑक्सीजन, उत्तर प्रदेश में लगभग 3797, मध्य प्रदेश में 656 एमटी, दिल्ली में 5476 एमटी, हरियाणा में 2023 एमटी, राजस्थान में 98 एमटी, कर्नाटक में 2115 एमटी, उत्तराखंड में 320 एमटी, तमिलनाडु में 1808 एमटी, आंध्र प्रदेश में 1738 एमटी, पंजाब में 225 एमटी, केरल में 380 एमटी, तेलंगाना में 1858 एमटी, झारखंड में 38 एमटी और असम में 240 एमटी ऑक्सीजन पहुंचाई गई है।

ऑक्सीजन एक्सप्रेस ने अब तक देश भर के 15 राज्यों में लगभग 39 नगरों /शहरों में एलएमओ पहुंचाई है। इन शहरों में उत्तर प्रदेश में लखनऊ, वाराणसी, कानपुर, बरेली, गोरखपुर और आगरा, मध्य प्रदेश में सागर, जबलपुर, कटनी और भोपाल, महाराष्ट्र में नागपुर नासिक, पुणे, मुंबई और सोलापुर, तेलंगाना में हैदराबाद, हरियाणा में फरीदाबाद और गुरुग्राम, दिल्ली में तुगलकाबाद, दिल्ली कैंट और ओखला, राजस्थान में कोटा और कनकपारा, कर्नाटक में बेंगलुरु, उत्तराखंड में देहरादून, आंध्र प्रदेश में नेल्लोर, गुंटूर, तड़ीपत्री और विशाखापत्तनम, केरल में एर्नाकुलम, तमिलनाडु में तिरुवल्लूर, चेन्नई, तूतीकोरिन, कोयंबटूर और मदुरै, पंजाब में भटिंडा और फिल्लौर, असम में कामरूप और झारखंड में रांची शामिल हैं।

रेलवे ने ऑक्सीजन सप्लाई स्थानों के साथ विभिन्न मार्गों की मैपिंग की है और राज्यों की बढ़ती हुई आवश्यकता के अनुसार अपने को तैयार रखा है। भारतीय रेल को एलएमओ लाने के लिए टैंकर राज्य प्रदान करते हैं।

पूरे देश से जटिल परिचालन मार्ग नियोजन परिदृश्य में भारतीय रेल ने पश्चिम में हापा, बड़ौदा मुंदड़ा, पूर्व में राउरकेला, दुर्गापुर, टाटा नगर, अंगुल से ऑक्सीजन लेकर उत्तराखंड, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, हरियाणा, तेलंगाना, पंजाब, केरल, दिल्ली, उत्तर प्रदेश तथा असम को ऑक्सीजन की डिलीवरी की है।

ऑक्सीजन सहायता तेज गति से पहुंचाना सुनिश्चित करने के लिए रेलवे ऑक्सीजन एक्सप्रेस माल गाड़ी चलाने में नए और बेमिसाल मानक स्थापित कर रही है। लंबी दूरी के अधिकतर मामलों में माल गाड़ी की औसत गति 55 किलोमीटर से अधिक रही है।